K–181

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुन–जुलाई 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. 'खुमान रासो' के रचनाकार का नाम लिखिए।
2. विद्यापति कृत 'कीर्तिपताका' में किस राजा के प्रेम प्रसंगों को आधार बनाया गया है ?
3. कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा है ?
4. 'मृगावती' की रचना किसने की है ?
5. मीरा के इहलौकिक पति का नाम लिखिए।
6. 'कृष्ण गीतावली' के रचनाकार का नाम लिखिए।
7. घनानंद किस बादशाह के मीर मुंशी थे ?
8. कवि भूषण को 'भूषण' की उपाधि किसने दी थी ?

खण्ड–ब

9. विद्यापति की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

10. कबीर के माधुर्य भाव को समझाइए।
11. तुलसीदास की प्रमुख पाँच कृतियों के नाम लिखिए।
12. बिहारी के ज्योतिष ज्ञान का एक उदाहरण दीजिए।
13. भूषण के काव्य का अभिव्यंजना पक्ष को लिखिए।
14. सूरदास किसके शिष्य थे ? उनके मत को क्या कहा जाता है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. विद्यापति की भक्ति भावना का उल्लेख कीजिए।
16. जायसी पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
17. मीरा के काव्य का वर्णन कीजिए।
18. बिहारी के काव्य में संयोग शृंगार का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. भूषण के काव्य पर प्रकाश डालिए।
20. चंदबरदाई के काव्य का विस्तृत वर्णन कीजिए।
21. संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :
    स्तगुरु संवा ने को सगा, सोधी सई न दाति।
    हरि जी संवा ने को हितू, हरिजन सई न जाति।।
    बलिहारी गुरु आपणैं, घौं हाड़ी कै बार।
    जिन मानिस तैं देवता, करत न लागी बार।।
22. संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :
    मधुबन तुम कत रहत हरे।
    विरह–वियोग स्याम सुंदर के ठाढ़े क्यों न जरे।
    तुम हो निलज, लाज नहिं तुमको फिर सिर पुहुप धरे।
    ससा स्यार औ बन के पखेरु धिक्–धिक् सबन करे।।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. घनानंद के विरह वर्णन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
24. ''तुलसीदास अपने समय के सबसे बड़े समन्वयक थे।'' स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक)**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुन–जुलाई 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. मैथिलीशरण गुप्त जी के काव्य गुरु कौन थे ?
2. जयशंकर प्रसाद की अंतिम रचना कौनसी है ?
3. प्रकृति के सुकुमार कवि किसे कहा जाता है ?
4. हालावाद का प्रवर्त्तक किसे माना जाता है ?
5. 'एक कंठ विषपायी' के रचनाकार का नाम लिखिए।
6. रघुवीर सहाय के किन्हीं दो काव्य–संग्रह का नाम लिखिए।
7. 'तार सप्तक' के सम्पादक कौन हैं ?
8. 'तुलसीदास' किस रचनाकार की प्रबन्धात्मक कृति है ?

खण्ड–ब

9. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्य–यात्रा पर प्रकाश डालिए।
10. नरेंद्र शर्मा कृत काव्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
11. सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित 'नौका–विहार' कविता का सारांश लिखिए।
12. नागार्जुन द्वारा रचित 'हरिजन गाथा' कविता में वर्णित सामाजिक विसंगतियों पर प्रकाश डालिए।
13. महादेवी वर्मा के काव्य में गीति–तत्व को स्पष्ट कीजिए।
14. दुष्यंत कुमार द्वारा रचित 'एक कंठ विषपायी' काव्य–नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. ''बच्चन का काव्य उनके भीतरी मन में बैठे हुए भावों का हृदयोद्‌गार है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।
16. नई कविता के संदर्भ में रघुवीर सहाय के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
17. अज्ञेय के काव्य में प्रतीक एवं विंब विधान को स्पष्ट कीजिए।
18. नरेंद्र शर्मा की काव्य कला को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. ''निराला का काव्य कल्पना–वैभव, आध्यात्मिक एवं भक्ति भावना से परिपूर्ण है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।
20. ''जयशंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम, शृंगार तथा रागतत्व की प्रधानता तो है ही, उसमें घनीभूत प्रसाद की छाया भी दृष्टिगोचर होती है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।
21. सुमित्रानंदन पंत की काव्य यात्रा पर प्रकाश डालिए।
22. नागार्जुन के काव्य की अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. ''अज्ञेय प्रयोगवाद के प्रणेता व नयी कविता के प्रतिनिधि कवि हैं।'' इस कथन को उनके काव्य के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।
24. 'साकेत' में चित्रित मर्मस्पर्शी स्थलों का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 पतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुन–जुलाई 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड–अ

1. 'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' किसके द्वारा लिखा गया ?
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आदिकाल का प्रारम्भ किस संवत से कहाँ तक माना है ?
3. नल्हसिंह भाट किस रासो के रचयिता हैं ?
4. प्रेमाख्यानों से कौन–कौनसी भाषाएँ समृद्ध हुईं ?
5. 'हल्दी घाटी' किसकी रचना है ?
6. पुष्टि मार्ग सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन थे ?
7. छायावाद की प्रथम रचना के रूप प्रसाद के किस काव्य संग्रह का उल्लेख किया जाता है ?
8. 'कर्पूर मंजरी' भारतेन्दु जी का कौन–सा नाटक है ? मौलिक या अनूदित।

9. आदिकालीन काव्य का संक्षिप्त एवं सामान्य परिचय दीजिए।

10. रामभक्ति के प्रमुख रचनाकारों का नाम एवं कृति का नाम लिखिए।

11. भारत में आधुनिक युग का प्रारम्भ कब और कहाँ से है ?

12. भक्ति काल की कोई पाँच विशेषताएँ लिखिए।

13. द्विवेदी युग के नवजागरण का स्वरूप कैसा है ?

14. नई कहानी और पुरानी कहानी के अलगाव को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. प्रसादयुगीन हिन्दी नाटकों की रचनाएँ बताइए।

16. साक्षात्कार से आपका क्या अभिप्राय है ?

17. काल निर्धारण का अर्थ बताइए।

18. जैन साहित्य की कृतियाँ एवं कृतिकारों का विवेचन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. संत काव्य के उद्‌भव और विकास की व्याख्या कीजिए।
20. रीतिकाल की परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
21. आधुनिक युग की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
22. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की रचना व रचनाकारों का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. प्रगतिवादी साहित्य की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ बताइए।
24. नई कविता का स्वरूप और उसकी विभिन्न प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुन–जुलाई 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड–अ

1. आचार्य मम्मट के ग्रंथ का नाम लिखिए।
2. ''शब्दार्थौ सहितं काव्यम्'' कथन किसका है ?
3. 'अनुमितिवाद' के उद्‌भावक आचार्य का नाम लिखिए।
4. विभाव के प्रकार लिखिए।
5. प्लेटो के शिष्य का नाम लिखिए।
6. टी. एस. इलियट को किस कृति पर नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था ?
7. आधुनिक सौंदर्यशास्त्र का महत्वपूर्ण व्याख्याता किसे माना जाता है ?
8. वैयक्तिक मनोविज्ञान के संस्थपक कौन हैं ?

खण्ड–ब

9. खण्डकाव्य की पाँच विशेषताएँ लिखिए।

10. दस रसों के नाम व स्थायी भाव लिखिए।

11. साधारणीकरण का सिद्धांत लिखिए।
12. अरस्तु के त्रासदी सिद्धांत लिखिए।
13. उत्तर आधुनिकता को संक्षेप में लिखिए।
14. रूपवादी समीक्षा से क्या आशय है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. काव्य हेतु किसे कहते हैं ? समझाइए।

16. आचार्य विश्वनाथ द्वारा रचित रस संबंधी श्लोक को लिखते हुए उसका अर्थ लिखिए।

17. आई. ए. रिचर्ड्स की व्यवहारिक आलोचना को समझाइए।

18. ऐतिहासिक आलोचना को समझाइए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. काव्य के प्रमुख प्रकारों का उल्लेख कीजिए तथा उनकी विशेषताएँ लिखिए।
20. ध्वनि की परिभाषा देकर उसके स्वरूप की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
21. लोंजाइनस के उदात्त संबंधी तत्वों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
22. शैली वैज्ञानिक आलोचना को सभेद समझाइए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. वक्रोक्ति के भेदों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
24. हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**